राजधानी में लोकल एजेंसियों की लाइट्स में 3 करोड़ खर्च की तैयारी

Newsmile न्यूज विद स्माइल 🙂

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

भोपाल. गलियां शाम डलते ही रोशन हो जाएं और बिजली का बिल भी न आए। नागपुर, दिल्ली समेत देशभर के कई नगर निगम इसके लिए अपने यहां सोलर पैनल वाली स्ट्रीट लाइट लगा रहे हैं, लेकिन भोपाल में इसके उलट काम हो रहा है। यहां

का मिजाज

निगम की विद्युत शाखा तीन करोड़ 1.30 लाख स्ट्रीट लाइट स्थापित कर रुपए से स्टीट लाइट लोकल एजेंसियों के माध्यम से खरीदी कर रही हैं। हैरानी ये हैं कि विद्युत शाखा में इतनी बड़ी गड़बड़ी के बावजूद किसी भी स्तर पर सवाल खड़े नहीं

कार्यप्रणाली पर सवाल

गौरतलब है कि नागपुर म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ने तो अपने यहां की स्टीट लाइट को सोलर से संचालित करने करीब 1000 करोड़ रूपए का प्रोजेक्ट लांच किया है। इसमें वह

रहा हैं। ऐसे में भोपाल नगर निगम की विद्युत शाखा की कार्यप्रणाली पर सवल खड़े हो रहे हैं।

बताया जा रहा है कि जिस एजेंसी से ये लाइट्स खरीबी जा रही हैं उसे राजनीतिक रसुख की वजह से तथ किया गया है। ऐसे में समझा जा सकत है कि आमजन की गढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा लोकल स्तर की स्टीट लाइट खरीदी में खर्च हो जाएगा और आमजन को अपने मोहल्ले-गली में अंधेरे की दिक्कत से राहत भी नहीं मिलेगी।

अब बन रही नई योजना

अभी भोपाल में करीब 40 हजार स्ट्रीट लाइट्स है। इसमें 80 फीसवी एलइडी लाइट्स हैं। यहां लाइट्स रखरखाव का जिम्मा अब स्मार्टिसिटी के माध्यम से ही पुरा होता है। हाल में निगम ने अपने वहां एनजीं ऑडिट कराया था और पता चला था कि बंद स्टीट लाइट्स के नाम पर भी बिजली का बिल बन रहा है। ये लाइट्स निजी लोगों के काम आ रही है। ऐसे में अब स्ट्रीट लाइट को लेकर नए सिरे से योजना बनाई जा रही, लेकिन जिस तरह स्थानीय कंपनियों की लाइट्स खरीदी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, उससे निगम में बड़ी वित्तीय गड़बड़ी की स्थिति बन रही है।



गलियों, सडकों पर रोशनी रहेगी। निगम हर माइ करीब 14 करोड रुपए का बिज़ली बिल जमा करता है। इसमें चार करोड़ रुपए स्ट्रीट लाइट के होते हैं। ऐसे में ये राशि एक मांड में ही वसूल हो जाएगी।

रदीट लाइट्स को लेकर हम योजना तैयार कर रहे हैं। अभी कोशिश है कि सभी लाइट्स चले और इसके लिए निर्देश दिए गर हैं। इसमें बदलाव सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद ही लिया जा सकेगा।

मालती राय, महापोर

पीडब्ल्यूडी मई तक पूरी करेगा सड़कें, हर विधानसभा में बनेगी यूटिलिटी रोड

सूर्यास्त : आज शम 05:57 को सूर्योदय : आज सुबह 07:05 वर्त

चन्द्रोदयः अन स्त 01:11 को चन्द्रास्त : अञ्च वेच्छ 12:44 को

नगर में आज

 भारत भवन में एकल चित्रकला प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक

जय किशोरी की भागवत कथा, बोपहर तीन बजे से भेल दशहरा मैदान पर

 गैस पीडित निराशित पेंशन भोगी संघर्ष मोर्चा का प्रदेशन, स्थान कलेक्ट्रोरेट दोपहर 12 कजे से

मिनट में वन विहार के अंदर अब इंटरनेट

की सुविधाएं

न्यजम्म

भोपाल. वन विहार नेशनल पार्क में रोजाना औसतन एक हजार से अधिक पर्यटक घुमने पहुंचते हैं। इनमें से 35 फीसदी लोग कैश के लेए परेशान होते दिखाई देते हैं। ये पर्यटक सीधे क्युआर कोड से रेमेंट की मांग करते हैं, लेकिन अभी वन विहार में ऐसी खेविधा नहीं हैं। अभी पेमेट सिर्फ कैश और कार्ड से ही लिया जा रहा है। इसके लिए वन विद्यार प्रबंधन अब अपने ऐप के माध्यम से ये सुविधा शुरू कर रहा है। यह ऐप अपने अंतिम सिक्युरिटी प्रोसेस में हैं जो करीब 15-20 दिन में फाइनल हो ज्ञाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले कर विहार में इंटरनेट पुविधाएं दुरुस्त की जा रही हैं, तांकि पर्यटकों से क्युआर कार्ड से रेमेंट की शुरुआत जल्द हो सके। पह व्यवस्था वन विहार के दोनों

चार करोड रुपए में 18 किमी सड़कें सुधरेंगीं, 22 क्षेत्रों को मिलेगा फायदा

स्पाटलाइट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

भोपाल लोक निर्माण विभाग करीब चार करोड़ रुपए की लागत से 22 क्षेत्रों से जुड़ी 18 किमी लंबी सडकें बनाने जा रहा है। सबसे ज्यादा खर्च ईदगह हिल्स पर टीबी वीआइपी रोड गेस्ट ठाउस तक पहुंच मार्ग पर होगा। इससे उम्मीद की जा रही है कि खराब सड़कों से जो मरीज समय पर इलाज के लिए अस्पताल नहीं पहुंच पाते थे या फिर इन अस्पतालों तक बस, ऑटो खराब सड़क से आने से बचते थे, वे अब आसानी से आ पाएंगे। कल 18 किमी लंबी सडकों से इस तरह 22 क्षेत्रों को सीधे तीर पर लाभ होगा।

अब विधानसभावार सडके बनेगी

पीडब्ल्वुडी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में यूटिलिटी रोड बनवा रहा है। इसके तहत ही ये काम विए जा रहे हैं। इसके लिए करीब 25 करोड़ रूपर की राशि रखी गई है। इससे करीब 120 किमी लंबाई की सड़कों को नए सिरे से बनवाया जाएगा। इससे शहर के 150 होत्रों को खराब सहकों से राहत मिल जाएगी। गौरतलब है कि शहर में 4000 किमी से अधिक लंबाई की सड़कें हैं और बारिश में 1600 किमी से अधिक लंबाई की सड़कें खराब हुई थी। इसमें अब भी 40 फीसदी से अधिक खराब है।

महापौर हेल्पलाइन

179 में से 171

शिकायतों का

भोपाल @ पत्रिका, महापीर

हेल्पलाइन नंदम 155304 पर एक

सप्ताह के दौरान 179 शिकायतें प्राप्त

हुई। शनिवार को महापौर मालती

राय ने इन शिकायतों के निराकरण

की स्थिति की समीक्षा की। इसमें से

171 शिकायतों का निराकरण पाया

गवा। राव ने फोन लगाकर

शिकायतकर्ताओं से बात भी की।

शिकायते बुद्धावस्था पेशन, समग्र

आइडी, बीसीएलएल बसें, सफाई,

जलप्रदाय से जुड़ी हुई थी।

जडांगीराबाद की बद्ध महिला काफी

समय से पेशन के लिए परेशान थी,

महापीर हेल्पलाइन में कॉल करने पर

पेंसन सुरू हो गई। इसी तरह लो-

फ्लोर बस में महिला सीट पर पुरुषों

के बैठने, समग्र आइडी नहीं बनने

जैसी शिकायतें रही।

निराकरण

अलग-अलग क्षेत्रों में सहक निर्माण पर काम किया जा रहा है। नई सड़कों के साथ पुरानी सहकों के नवीनीकरण पर ध्यान है।

निसरोद शिवनंदिर

रेलवे अंडरपास में

60 मीटर की

संजय मस्के, चीफ इंजीनियर

ऐसे बन रहे पहुंच मार्ग, मिलेगी राहत



निशातपुरा स्टेशन भोपाल का चौथा बड़ा स्टेशन होगा...

भोपाल 🕲 पत्रिका. निशातपुरा स्टेशन वर्ष 2023 में भोपाल का चौथा बड़ा स्टेशन होगा। निशातपुरा में अब प्लेटफार्मों का विस्तार किया जा रहा है,

स्टेशन पर फुट ओक्रीकेज (एफओबी) भी बनाया जाएगा। पार्किंग व्यवस्था होगी। यह स्टेशन मई 2023 के अंत तक पूरा होगा। इन सभी कामों पर

शेड बनाए जा रहे हैं। छोटा स्टेशन होने के कारण फिलहाल वहां यात्री सुविधाएं नहीं हैं। अब इस स्टेशन को विकसित किया जाएगा। निशावपुरा

लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। निशातपुरा स्टेशन पर विल्ली, चेन्नई और इंचैर की तरफ जाने वाली सात ट्रेनों का स्टॅपिज रहेगा।

लाख रुपर से लाख रुपए से 3.61 4 किमी लंबाई किमी लंबाई का में बैरागढ दीपड़ी से समरधा विवली से कुशलपुरा मार्ग

लोगों की रुचि कम रोजाना 30 से भी कम लोग लगवा रहे बूस्टर डोज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

भोपाल. कोविशील्ड वैक्सीन की 5 लाख डोज केंद्र सरकार की तरफ से राज्य की मांग पर भेजी गई हैं। ञैक्सीन की खेप इंदौर पहुंच गई है जो मंगलवार को भोपाल आ सकती है। वहीं जानकारों का कहना है यदि डोज समय से आते तो टीकाकरण की रफ्तार बढ़ने की संभावना थी, इस समय 30 से भी कम लोग एक दिन में बुस्टर डोज लगवा रहे हैं।

- कोविशील्ड के लगने हैं सबसे अधिक बुस्टर होजः टीकाकरण अधिकारियों के अनुसार कोविशील्ड आने के बाद वैक्लीनेशन फिर बडेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि 80 फीसदी लोगों ने कोविशील्ड लगवाई थी। ऐसे में बुस्टर डोज लगवाने वालों में सबसे अधिक वही हैं।
- इस साल आए सिर्फ वो केस : साल २०२३ में आब तक कोरोना के दो मामले सामने आए हैं। इनमें से एक 5 जनवरी को तो दूसरा 15 जनवरी

सावधान रहें...

साइबर फ्रॉड: सेवा के नाम पर धोखा दे रहे जालसाज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

भोपाल. किसी भी कंपनी, संस्था और सर्विस प्रोबाइडर के नाम के साथ डोमन रजिस्ट्रेशन की आसान प्रक्रिया अब लोगों के लिए सिरदर्द अनती जा रही है। किसी भी बड़े बांडनेम के साथ डॉट कॉम, डॉट नेट, डॉट बिज जोड़कर लोगों को घोटापड़ी का के नाम पर फ्रॉड शिकार बनाया जा रहा है।

इस तरह की शिकायत के बाद अभी हाल ही में लगभग तीन हजार फर्जी लिंक को इंटरनेट सर्च इंजन से हटाया गया. लेकिन इनमें से आधे फिर वापस आ गए। अलग-अलग राज्यों की साइबर सेल से मिले फीडबैक के बाद केंद्रीय एजेंसियों ने मामले की पहताल की। इसमें सामने आया कि ऑनलाइन होमेन रजिस्टेशन की आसान प्रक्रिया के चलते जालसाज बार-बार फर्जी लिंक लेकर गूगल जैसे प्लेटफॉर्म पर दोबारा दिखने लगते हैं। अब जांच एजेंसियां द्येमेन रजिस्टेशन करने वाले नेटवर्किंग सर्विस पोवाइडर कंपनी से संपर्क कर ऐसा फायर वॉल सिस्टम बनाने के प्रयास में हैं, जिससे फर्जी लिंक बनाने वाला उसी समय पकड में आ जाए।

साडबर गाइडलाइन को समझकर आप खुद कर सकते हैं अपना बचाव गुगल-पे, पेटीएम, अमेजन, फ्लिपकार्ट और बिजली कनेक्शन

इनसे मिलती मदद

गो-डेंडी, गूगल, होस्टिंगर, नेमचीप किंग रॉक नेट फॉर इंडिया, स्क्रेयर खदर, इंडियालिक्स, वन एंड वन जेनिटिय, ब्लुहोस्ट, होस्टगेटर, डीम होस्ट, शोपिकाई, बॉडी डोमेन जैसे डीएनएस सर्विस प्रोवाइडर ऑनलाइन यह सुविधा उपलब्ध कराते हैं।

फर्जी वेब लिंक के बारे में जनकारियां एजेंसियों से साझा की जाती रही हैं। गाइड लाइन का पालन एवं जागरूकता के साथ इनसे बचाव किया जा सकता है।

अमित सिंह, डीसीपी, साझ्बर क्राइम

डोमेन को जानिए.



फर्जी डोमेन रजिस्टेशन कराना वेसा ही हैं. जैसे आपके रजिस्टई मकान पर कोई और अपना नाम पता लिखकर बुनिया भर में प्रचार करे। डोमेन रजिस्टेशन सर्विस प्रोवाइतर ईमेल आईडी एवं मोबाइल नंबर पर आने वाले वन टाइम पासवर्ड के आधार पर उनका भौतिक सत्यापन का तरीका है। जालसाज फर्जी आइडी और सिम कार्ड का

इस्तेमाल करते हैं। इस कारण किसी भी कंपनी का नाम इस्तेमाल कर डोमेन लेकर नेट पर आ जाते हैं। इंटरनेट पर संबंधित कंपनी के बारे में झैरी आते ही फर्जी लिंक सामने आ जाते हैं। इन लिंक पर हैकर की नजर रहती है। यहां आने वाले जैसे ऐप डाउनलोड करवाकर आसानी से खाता खाली कर दिया जाता है।

राष्ट्रीय एवं स्थानीय हेल्पलाइन पर करें संपर्क : साहबर फ्रॉड होने पर आप राष्ट्रीय डेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। कभी भी केवायसी दस्तावेजों की प्रति बगैर पड़चान वाले व्यक्ति, अपूर/अनाधिकृत ऐप पर नहीं देना चाहिए। शॉपिंग मॉल, सिनेमा या ऑनलाइन इनाम के चक्कर में कभी भी अपने बैंकिंग मोबाइल नंबर को सार्वजनिक नहीं करें। इस तरह के ऐम और बैंक खाते की सूचना सबेत पोर्टल के माध्यम से संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें। रिजर्व बैंक की वेबसाइट में पंजीकृत एनबीएफसी का नाम और पता जाना जा सकता है और पोर्टल के माध्यम से इकाइयों के खिलाफ शिकायत वर्ज कराई जा सकती है।

ोटों पर शुरू होगी।

जी 20 समिट: इन क्षेत्रों में 18 जनवरी तक धारा 144 लागू

भोपाल 🕲 पत्रिका, जी 20 समिट के तहत पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर ने 16 से 18 दिसंबर तक कुछ क्षेत्रों में धारा 144 लागू की है। इसमें डोटल लाज, भवभवा चौराहा, थाना कमलानगर, होटल जहानुमा पैलेस, थाना स्थामला हिल्स, होटल जहानुमा रिट्रीट, थाना कमला नगर, होटल कोटयार्ड मेरियट, डीबी मॉल के आसमास के क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक आवेश जारी किए हैं।

संत रविदास स्वरोजगार योजना में 50 लाख तक की सहायता

भोपाल. जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के लोग संत रविदास स्वरोजगार योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इसमें एक से 50 लाख रूपए तक एगो प्रोसेसिंग, फुड प्रोसेसिंग कोल्ड स्टोरेज और मिल्क प्रोसेसिंग जैसी योजनाओं के लिए लोन दिया जाता है।

डॉक्टरों को मिलेगी ट्रेनिंग अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ देंगे सहयोग

हमीदिया में बनेगी प्रदेश की दूसरी बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट



अच्छी खबर

रत्रिका न्यूज नेटवर्क

भोपाल. इंदौर के बाद अब भोपाल के हमीदिया अस्पताल में प्रदेश की इसरी सरकारी बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) यूनिट बनने जा रही है। प्ररकार ने 16 करोड़ की लागत वाली इस युनिट को मंजुरी दे वी हैं। इसमें मिल सकेगा। मरीजों को अन्य शहरों 24 केड होंगे। हमीदिया के तीन डॉक्टरों की ट्रेनिंग इंदीर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज में होगी। भोपाल में

बोन मेरो ट्रांसच्लांट शुरू होने से

सरकारी अस्पताल में मरीजों को

सुविधा होने से अन्य शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा...

थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, डॉ. प्रतीक तिवारी युनिट में काम ल्युकेमिया समेत कई एक तरह के करेंगे। इससे पहले यह तीनी कैंसर के मरीजों को सफल इलाज एमजीएम मेडिकल कॉलेज में डॉ. प्रीति मालपानी और डॉ. प्राची चौधरी का रुख नहीं करना पड़ेगा। गांधी से ट्रेनिंग लेंगे। वहीं अमेरिका के मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन, शिशु बोन मेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट डॉ. रोग व ऑक्ट्रेलॉजी विभाग के डॉ. प्रकाश सतवानी रीता सक्सेना, डॉ. खेला शर्मा और

पांच साल पहले शुरू करने की थी योजना

मला नेहरू अस्पताल में बोनमैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा पांच साल पहले शुरू करने की योजना थी। इली बीच इंबीर के महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज में व्ह सुविधा शुरू होने के बाद

जीएमसी में शुरू नहीं की गई। इसके पीछे तत्कालीन प्रमुख सक्विय चिकित्सा शिक्षा राधेश्याम जुलानिया का मानना था कि ट्रांसप्लांट के इतने मरीज नहीं होते कि दो जगह इसको शुरू किया जाए।

एम्स में भी होगी यह सुविधा

जानकारी के अनुसार एम्स भोपाल में भी इस साल बोन मेरो ट्रांसप्लांट यूनिट शुरू हो। जाएगी। एन्स झयरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि सेंटर की तैयारियां हो गई हैं। केंद्रीय

स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने निरीक्षण भी कर लिया है। कुछ सुझाद हैं जिस पर काम किया जा रहा है। उम्मीद है कि आने वाले कुछ महीनों में बोनमैरो ट्रांसप्लांट शुरू हो जाएगा।

संभागायुक्त ने दिए निर्देश

शहर के दो बड़े स्वास्थ्य संस्थानों की नए सिरे से बनेगी डीपीआर

खबर का असर

स्तर के वी को कारतार करवानों के दिया अभिन और राज्य करा, सिर्टान द्वार वर्ग के मदा पुरा पत्रिका

प्रकाशित खबर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.o

भोपाल. शहर के वे बड़े स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण में अइचन आ रही है। ईदगाड हिल्स पर रीजनल इंस्टोट्च्ट ऑफ रेस्पिरेटरी डिसीज व एक्सीलेंस इन ऑधॅपेडिक्स बनाया जाना है। दोनों के निर्माण के लिए

नक्शे से लेकर जमीन व बजट पास हो चुका है, लेकिन काम शुरू नहीं हो पाया। एयरपोर्ट अधारिटी और आर्मी ने दोनों संस्थानों की कंचाई पर सवाल खड़े किए थे। अब नए सिरे से दोनों की डीपीआर तैयार होगी। यह निर्देश सोमवार को दौरे के दौरान संभागायुक्त ने दिए।

बता दें हाल ही में इस मुद्दे को प्रमुखता से पत्रिका ने प्रकाशित किया था। संभागायुक्त मालसिंह भयडिया ने डॉक्टरों की केंट्रक में देर से आने पर नाराजगी जाहिर की। दोनों संस्थानों में हो रही देरी से लागत भी बढ़ रही थी। जबकि निर्माण का निर्णय एक साल पहले किया गया।

तीन लाख आयुष्मान कार्ड फरवरी तक बनेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

भोपाल, निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड को लेकर अभियान श्रुरू किया गया है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार दो लाख पात्र लोग ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है। जिसको लेकर विभाग ने ऑनलाइन लिंक जारी की है। लिंक https:// bis. pmjay. gov. in/ BIS/ selfprintCard पर जाकर व एमपी ऑनलाइन के कियोस्क सेंटर से आयुष्मान कार्ड से जुड़ी जानकारी ले सकते हैं। लोकसेवा केंद्र प्रबंधक प्रसुत सोनी ने बताया कि वार्ड कार्यालयों में भी इंतजाम किया गया है। आम लोग अपने नजदीकी वार्ड दफ्तर में जाकर आयुष्मान कार्ड की